भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1450 का उत्तर

समस्तीपुर मंडल में पूर्व मध्य रेलवे जोन में आरओबी

1450. श्री दिनेश चंद्र यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) जोन, विशेषकर समस्तीपुर मंडल में कुल कितने रेल उपरिपुल स्वीकृत किए गए हैं और इस संबंध में कार्य की स्थिति क्या है;
(ख) ईसीआर में अभी भी कितने रेल उपरिपुल लंबित हैं और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या यह सच है कि पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के सीरियल नंबर 319 के सहरसा-बैजनाथपुर क्रॉसिंग नंबर 104 पर आरओबी के निर्माण के लिए परियोजना की मंजूरी के बाद भी 2023-24 के पिछले रेल बजट में काम शुरू नहीं किया गया है; और
(घ) यदि हां, तो इसके कया कारण हैं और इसे पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल पर समपारों के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी) के कार्यों को स्वीकृति प्रदान करना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। इस तरह के कार्यों को रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा पर इसके प्रभाव, रेलगाड़ियों की गतिशीलता एवं सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव और व्यवहार्यता, धन की उपलब्धता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

s.k

वर्तमान में, पूर्व मध्य रेलवे में ऊपरी सड़क पुल (आरओबी) के 134 अदद स्वीकृत कार्य है, जिनमें समस्तीपुर मंडल के 35 अदद ऊपरी सड़क पुल शामिल हैं, जो नियोजन और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

सहरसा-बैजनाथपुर खंड में किमी 96/03-04 पर समपार संख्या 104 के स्थान पर आरओबी का कार्य स्वीकृत किया गया है। सामान्य व्यवस्था आरेखण तैयार कर दिया गया है।

ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी) के कार्यों को पूरा करना और उन्हें चालू करना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे रेलफाटक को समाप्त करने संबंधी सहमति, पहुंच मार्ग संरेखण निर्धारित करना, सामान्य व्यवस्था आरेखण (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु संबंधी परिस्थितियों आदि के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र के लिए वर्ष में कार्य करने की अवधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

****

s.k